सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 125 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 10 जून, 2022

मूल्य ₹ 3/-

मैं ऐसे धर्म को मानता हूं जो स्वतंत्रता, समानता, और भाईचारा सिखायें।
-बी.आर. आम्बेडकर

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेटियों ने देश का परचम... 2 | बढ़ता जा रहा अपर्णा का इंतजार... 3 | कानून व्यवस्था ध्वस्त, यूपी बना... 7

विवादित बयान पर बढ़ा बवाल

दिल्ली से लखनऊ तक प्रदर्शन

नूपुर शर्मा और नवीन जिंदल की गिरफ्तारी की मांग

» जुमे की नमाज के बाद सड़क पर उतरे मुस्लिम समाज के लोग

» सहारनपुर, देवबंद और प्रयागराज में पुलिस से झड़प, पथराव, नारेबाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के विवादित बयान के विरोध में आज मुस्लिम समुदाय के लोग सड़क पर उतरे। दिल्ली से लखनऊ तक प्रदर्शन और नारेबाजी की गयी। सहारनपुर और देवबंद में प्रदर्शनकारियों और पुलिस में झड़प हुई। प्रयागराज में पथराव किया गया। प्रदर्शनकारी नुपूर शर्मा और नवीन जिंदल की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे।

दिल्ली की जामा मस्जिद पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में लोग बैनर और पोस्टर लेकर यहां पहुंचे, जिसमें नूपुर शर्मा और नवीन जिंदल की तस्वीरें थीं। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि नूपुर शर्मा और नवीन जिंदल के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करे। उन्हें भाजपा से निलंबित करना या बर्खास्त किया जाना काफी नहीं है। इस दौरान लोगों ने जमकर नारेबाजी की। लोगों ने जिस तरह से बैनर और पोस्टर ले रखे थे, उससे साफ है कि प्रदर्शन की पहले से तैयारी की गई थी। वहीं जामा मस्जिद के शाही इमाम ने कहा कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। लखनऊ की टीले वाली मस्जिद में भी प्रदर्शन हुआ। वहीं सहारनपुर शहर में भी मुस्लिम समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किया। यहां प्रदर्शनकारियों और पुलिस में झड़प भी हुई। मुरादाबाद के मुगलपुरा क्षेत्र में जुमे की नमाज के बाद अचानक कुछ लोगों ने चौराहे पर आकर प्रदर्शन किया। इस मौके पर भारी संख्या में पहुंची पुलिस ने सभी को शांत कराकर घर भेज दिया। दूसरी ओर देवबंद में नूपुर शर्मा के खिलाफ लोग सड़क पर उतरे और विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान जमकर नारेबाजी हुई। देवबंद में पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है। प्रयागराज में बवाल काफी बढ़ गया है। यहां नमाज के बाद लोग सड़क पर उतरे और नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया। इसके अलावा अन्य जिलों में भी विरोध जताया गया है।

पुलिस अलर्ट

कानपुर हिंसा के बाद पूरे यूपी में बेहद सख्ती बरती जा रही है। जुमे के मौके पर आसमान में ड्रोन से निगरानी की जा रही है तो वहीं भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है।

क्या है मामला

नूपुर शर्मा ने एक टीवी डिबेट के दौरान पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी कर दी थी, जिसे लेकर बवाल जारी है। कानपुर में बीते सप्ताह शुक्रवार को इस मसले पर हिंसा तक भड़क गई थी। इस मामले ने अंतरराष्ट्रीय रूप ले लिया है। ईरान, सऊदी अरब, बहरीन, यूएई, कतर समेत कई इस्लामिक देशों ने इस मसले पर भारत से आपत्ति जाहिर की थी।

इन पर दर्ज किया गया है केस

नूपुर शर्मा के मामले को देखते हुए दिल्ली पुलिस सख्त हो गई है। दिल्ली पुलिस ने हाल ही में भड़काऊ टिप्पणी के मामले में नूपुर शर्मा, असदुद्दीन ओवैसी समेत 32 लोगों पर केस दर्ज किया था। अलग-अलग धर्म के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी कर माहौल खराब करने के आरोप में दिल्ली पुलिस की साइबर यूनिट ने भाजपा की पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा, नवीन जिंदल, असदुद्दीन ओवैसी, शादाब चौहान, सबा नकवी , मौलाना मुफ्ती नदीम, अब्दुर रहमान, गुलजार अंसारी, यति नरसिम्हानंद, दानिश कुरैशी, विनीता शर्मा, अनिल कुमार मीणा और पूजा शकुन के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

राज्य सभा चुनाव में क्रास वोटिंग

भाजपा विधायक ने कांग्रेस प्रत्याशी को दिया वोट

» चार राज्यों में 16 सीटों के लिए मतदान, देर शाम तक आएंगे नतीजे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्य सभा की 16 सीटों के लिए चार राज्यों में वोटिंग हुई। जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, इनमें राजस्थान, हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक शामिल हैं। आज देर शाम तक नतीजे आएंगे।

चुनाव आयोग ने 15 राज्यों की 57 राज्य सभा सीटों के लिए चुनाव का ऐलान किया था। इनमें से 11 राज्यों की 41 सीटों

पर उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन तीन जून को हो चुका है। अब सोलह सीटों पर मतदान हुआ है। महाराष्ट्र में छह सीटों के लिए सात उम्मीदवार, राजस्थान में चार सीटों के लिए पांच उम्मीदवार, कर्नाटक में चार सीटों के लिए छह और हरियाणा की दो सीटों के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में हैं। सबसे ज्यादा उठापटक राजस्थान व हरियाणा में देखी जा रही है। राजस्थान में भाजपा की शोभारानी ने कांग्रेस उम्मीदवार प्रमोद तिवारी को वोट दिया है। कर्नाटक में के श्रीनिवास गौड़ा ने कहा कि मैंने कांग्रेस को वोट दिया है। हरियाणा में कांग्रेस के दो वोट रद हो गए हैं। किरण चौधरी और बीबी बत्रा ने एजेंट के अलावा दूसरे व्यक्ति को वोट दिखाया। हरियाणा के ही निर्दलीय विधायक बलराज कुंडू ने राज्य सभा चुनाव में मतदान नहीं करने का ऐलान किया।

सपा के साथ है सुभासपा : राजभर

» कुछ लोग उड़ा रहे गठबंधन को लेकर अफवाह

» नूपुर शर्मा को जेल भेजने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि तमाम लोग हमारे सपा से गठबंधन के बारे में अफवाह उड़ा रहे हैं। हम लोग अपने गठबंधन के प्रत्याशियों को जिताने की अपील कर रहे हैं। राजभर ने दावा किया कि आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव हमारा गठबंधन ही जीतेगा।

सपा द्वारा उपेक्षा किए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमारी मंशा नहीं है कि हम उनसे कुछ मांगने जाएं क्योंकि हमारे पास छह ही विधायक हैं अगर हमारे पास 20-25 विधायक होते तो फिर हम उसके हकदार होते। हम गठबंधन के साथ हैं। सुभासपा प्रमुख ने हापुड़ की घटना पर योगी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हापुड़ की घटना में मारे लोग पिछड़ी जाति के थे इसलिए कोई मुआवजा नहीं दिया गया। इसके अलावा उन्होंने मांग की कि नूपुर शर्मा को जेल भेजा जाए।

दानिश के नाम न घर न जमीन बाकी भाजपा प्रत्याशी करोड़पति

» योगी सरकार के छह मंत्रियों के पास करोड़ों की संपत्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव के लिए नामांकन कराने वाले योगी सरकार के सातों मंत्रियों में दानिश आजाद अंसारी ही मात्र ऐसे हैं, जिनके नाम पर न मकान है और न ही जमीन। कुल चल संपत्ति भी महज 15,95,925 रुपये हैं, जबकि बाकी सारे भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी करोड़पति हैं। मुकदमों की बात करें तो उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व दयाशंकर मिश्र दयालु पर सात-सात मुकदमे दर्ज हैं और नरेंद्र कश्यप को सत्र न्यायालय से आत्महत्या के लिए कुप्रेरित करने के मामले में सजा भी सुनाई जा चुकी है।

वहीं शिक्षा में सबसे आगे सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर हैं। वह आईआइटी बीएचयू से एमटेक हैं, जबकि भूपेंद्र सिंह चौधरी मात्र बीए प्रथम वर्ष तक पढ़े हैं। विधान परिषद चुनाव में प्रत्याशियों के शपथ पत्र के अनुसार संपत्ति के मामले में इन सात मंत्रियों में सबसे आगे आयुष राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु हैं। नामांकन में दिए गए शपथ पत्र के अनुसार, वाराणसी निवासी मिश्र और उनकी पत्नी सुकन्या मिश्रा के पास कुल 9,96,38,428 रुपये की चल-अचल संपत्ति है। उन्होंने काशी हिंदू विश्वविद्यालय से एमएससी की शिक्षा प्राप्त की है और उनके विरुद्ध सात मुकदमे दर्ज हैं। दूसरे स्थान पर सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर हैं। शाहजहांपुर निवासी राठौर पेट्रोल पंप स्वामी हैं। उनके और पत्नी प्रिया सिंह के नाम पर कुल 9,49,49,178 रुपये की चल-अचल संपत्ति है। करोड़पतियों की सूची में पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कश्यप भी हैं। पत्नी देविंद्री कश्यप सहित उनके पास कुल 6,78,26,896 रुपये की चल-अचल संपत्ति है। एलएलबी की शिक्षा प्राप्त नरेंद्र कश्यप गंभीर आपराधिक मुकदमे में भी घिरे हैं। जिला एवं सत्र न्यायालय द्वारा उन्हें आत्महत्या के लिए कुप्रेरित करने के मामले में सजा सुनाई जा चुकी है। गाजियाबाद निवासी कश्यप ने सजा के विरुद्ध उच्च न्यायालय में अपील की है, जहां मामला लंबित है और सजा स्थगित कर दी गई है। मुरादाबाद निवासी पंचायतीराज मंत्री भूपेंद्र चौधरी राजनीति के क्षेत्र में हैं, जबकि उनकी पत्नी निशा राहल डेयरी संचालिका हैं। बीए प्रथम वर्ष उत्तीर्ण भूपेंद्र और उनकी पत्नी के पास कुल चल-अचल संपत्ति 5,36,74,482 रुपये की है। विधान परिषद चुनाव के निर्वाचन अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराए गए शपथ पत्र में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की अचल संपत्ति का ब्यौरा नहीं भेजा गया। चल संपत्ति के मामले में वह कई मंत्रियों से पीछे हैं। हाथ में नकदी मात्र सवा लाख की है, जबकि पत्नी राजकुमारी देवी सहित कुल चल संपत्ति 2,37,65,189.41 रुपये की है। उनके खिलाफ सात मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी मेरठ विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र में एमए हैं। सहारनपुर निवासी जसवंत और उनकी पत्नी मीनाक्षी के पास 62,59,597 रुपये की संपत्ति है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेटियों ने देश का परचम लहराया : पाठक

» यूपी की तीन बेटियों का भारतीय जूनियर बालिका हैंडबाल टीम में चयन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की मोनी चौधरी, शीतल कुमारी व आफरीन अफजल ने अपने दमदार प्रदर्शन से भारतीय जूनियर महिला हैंडबाल टीम में जगह बना ली है। यह टीम हैंडबाल फेडरेशन आफ इंडिया (आईएचएफ) की ओर से स्लोवानिया में 22 जून से तीन जुलाई तक होने वाली बालिका जूनियर हैंडबाल वर्ल्ड चैंपियनशिप में दमखम दिखाएगी। यूपी की इन खिलाड़ियों को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सम्मानित किया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने इन तीनों खिलाड़ियों को आगामी चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी।

कहा मुझे उम्मीद है कि इस चैंपियनशिप में देश का नाम रोशन करेंगी। पूर्व में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का परचम लहराया है। उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। उत्तर प्रदेश हैंडबाल संघ के महासचिव डॉ. आनंदेश्वर पांडेय ने कहा कि स्लोवानिया में 22 जून से तीन जुलाई तक आईएचएफ महिला जूनियर हैंडबाल वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन होगा। भारतीय महिला हैंडबाल टीम ने कजाखिस्तान में सात से 14 मार्च तक हुई 16वीं जूनियर एशियन महिला हैंडबाल चैंपियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतकर वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया था।

कर्मचारी अपनी कार्य पद्धति में बदलाव लाएं : धर्मपाल

» मंत्रीजी का औचक निरीक्षण, गैरहाजिर कर्मचारियों को नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह ने इंदिरा भवन स्थित अल्पसंख्यक कल्याण निदेशालय का औचक निरीक्षण किया। बिना सूचना के अनुपस्थित कर्मचारियों पर नाराजगी जताते हुए दो दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने सबको समय पर कार्यालय आने की हिदायत दी। कार्यालय में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने व पत्रावलियों के उचित रख-रखाव के निर्देश दिए।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ने कहा कि सरकार निष्पक्षता से कार्य कर रही है, यह विभाग के कार्यों में भी दिखाई देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी अपनी कार्य पद्धति में बदलाव लाएं। सेवानिवृत्ति के बाद भी देयकों का भुगतान समय से न होने और इनसे संबंधित कर्मचारियों की पत्रावलियां गुम होने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका निराकरण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अशफाक सैफी, सदस्य हैदर अब्बास चांद, रूमाना सिद्दीकी, सरदार परविन्दर सिंह, अल्पसंख्यक आयोग के सचिव शकील अहमद उपस्थित थे।

यूपी कांग्रेस के कर्मचारियों के लिए लागू होगी स्टॉफ नियमावली

» जबरन रिटायर कर्मचारियों के मामले में आठ सदस्यीय समिति गठित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप्र कांग्रेस कमेटी (यूपीसीसी) कार्यालय के कर्मचारियों को जबरन रिटायर किए जाने के मामले में धरना-प्रदर्शन के बाद पार्टी ने तय किया है कि यहां के कर्मचारियों के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की स्टाफ नियमावली 25 जून तक अनिवार्य रूप से लागू की जाएगी। जब तक नियमावली लागू नहीं कराई जाती है, तब तक किसी भी कर्मचारी पर आरोप लगाकर उसके खिलाफ किसी भी तरह की कार्यवाही नहीं की जाएगी, न ही उसे सेवामुक्त/निलंबित किया जाएगा।

कर्मचारियों को जबरन रिटायर किए जाने के मामले में बुधवार को हुए विरोध के बाद गुरुवार को यूपीसीसी के प्रभारी-प्रशासन कार्यालय में बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश कोषाध्यक्ष सतीश अजमानी ने की। कमेटी की बैठक में कर्मचारियों के हित में स्टाफ नियमावली लागू करने का निर्णय हुआ। वहीं जबरन रिटायर किए गए पांच कर्मचारियों के मामले में आठ सदस्यीय समिति गठित की गई है। इसमें चार सदस्य यूपीसीसी के पदाधिकारी और चार स्थायी कर्मचारी शामिल किए गए हैं। समिति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष पवन बंसल से बात करके सेवामुक्त किए गए कर्मचारियों को बताएगी कि किस तारीख को यूपीसीसी में स्टाफ नियमावली लागू होगी, जिसके अनुसार उन्हें भुगतान किया जाएगा। सोनिया गांधी को लिखे पत्र में कर्मचारियों ने कहा था कि अल्प वेतनभोगी कर्मचारियों के रूप में उन्होंने जीवन के 25 से 35 वर्ष पार्टी की सेवा में लगाए। सेवा के अंतिम वर्षों में पार्टी की ओर से किया गया यह कृत्य कांग्रेस को शोभा नहीं देता। पार्टी से लाखों रुपये लेकर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों ने क्या अपनी भूमिका निभाई?

दिलाई प्रियंका के नारे की याद

सोनिया को लिखे पत्र में कर्मचारियों ने यह भी कहा था कि कांग्रेस महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा सरकारी कर्मचारियों की छंटनी को लेकर सरकार पर हमलावर रहती हैं तो फिर पार्टी के अल्प वेतनभोगी कर्मचारियों को लेकर इतनी असंवेदनशीलता क्यों? प्रियंका के लड़की हूं लड़ सकती हूं नारे की यह कहते हुए याद दिलाई कि जिन पांच कर्मचारियों को रिटायर किया गया है, उनमें तीन लाचार महिलाएं शामिल हैं।

धर्मनिरपेक्षता भी कोई मायने रखती है

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

अवैध आदेश पारित करने के लिए अधिकारियों को मजबूर करना खेदजनक : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि राज्य के जनप्रतिनिधियों द्वारा सरकारी अधिकारियों को अवैध आदेश पारित करने के लिए मजबूर करना खेदजनक स्थिति है। कोर्ट ने कहा कि सरकारी अधिकारी भी बिना किसी आपत्ति के जनप्रतिनिधियों के गलत आदेशों का पालन करते हैं।

यह तल्ख टिप्पणी न्यायमूर्ति सिद्धार्थ ने बस्ती के मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत बदरुल उलूम में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत रहे बशरत उल्लाह की याचिका को स्वीकार करते हुए की है। याची की ओर से तर्क दिया गया वर्ष 2019 में मदरसे में प्रधानाचार्य के पद पर नियुक्त किया गया था। उसने नियुक्ति से पहले गोंडा के दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसे में सहायक अध्यापक के रूप में पांच वर्ष अध्यापन कार्य किया था। जिसके अनुभव के आधार पर उसे प्रधानाचार्य के पद पर नियुक्ति दी गई थी। डेढ़ साल पहले उसके खिलाफ की गई एक शिकायत के आधार पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा उसके अनुभव प्रमाण पत्र की जांच भी की गई थी। जिसमें आरोप निराधार साबित हुए। किंतु उसके बाद तत्कालीन विधायक संजय प्रताप जायसवाल एवं तत्कालीन श्रम एवं रोजगार मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र के आधार पर शासन के विशेष सचिव ने उसके अनुमोदन को रद्द कर दिया था।

बढ़ता जा रहा अपर्णा का इंतजार, आखिर कब मिलेगा मौका

विधान परिषद चुनाव के लिए जारी सूची में भी नहीं अपर्णा का नाम

» भाजपा का लगातार कर रहीं प्रचार पर नहीं मिल रहा बड़ा पद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव 2022 के पहले सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव से आशीर्वाद लेकर भाजपा में शामिल हुईं यादव परिवार की छोटी बहू व सामाजिक कार्यकर्ता अपर्णा यादव का इंतजार बढ़ता जा रहा है। भाजपा ने विधान परिषद चुनाव के लिए नौ उम्मीदवारों की सूची दो दिन पहले जारी की है, उसमें भी अपर्णा का नाम नहीं है। इस बार भी उन्हें टिकट नहीं दिया गया है। भाजपा ने जिन नौ उम्मीदवारों को टिकट दिया है। उनमें से सात मंत्री हैं।

हालांकि यूपी विधान सभा चुनाव के समय कयास लगाए जा रहे थे कि भाजपा अपर्णा को विधान सभा का टिकट दे सकती है पर उन्हें मौका नहीं मिला। प्रदेश में दो सीटों पर होने वाले लोक सभा उपचुनाव में भी उन्हें प्रत्याशी नहीं बनाया गया। अब विधान परिषद चुनाव में भी उन्हें टिकट नहीं दिया गया। ऐसे में अपर्णा चिंतित है मगर वे कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। अपर्णा प्रदेश में लगातार भाजपा का प्रचार कर रही हैं लेकिन अभी तक उन्हें किसी भी चुनाव का टिकट नहीं दिया गया है। भाजपा में शामिल होने के समय उन्होंने कहा था कि वह राष्ट्र की सेवा के लिए पार्टी में शामिल हो रही हैं। अपर्णा यादव ने शिवपाल सिंह यादव को भाजपा में शामिल होने के लिए सलाह दी थी। उन्होंने कहा था कि अगर आना है तो भाजपा अलाकमान से बात करनी चाहिए। अपर्णा ने यह भी कहा था कि फिलहाल इस बारे में उनकी शिवपाल यादव से कोई बातचीत नहीं हुई है। दरअसल, बीजेपी की नजर 2024 में होने जा रहे लोक सभा चुनाव पर भी है। इसी के मद्देनजर जातिगत और सियासी समीकरणों पर भी पार्टी साधने की कवायद में लगी है। पार्टी इसको लेकर मंथन कर चुकी है। कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री आवास पर ही कोर कमेटी की बैठक हुई थी, जिसमें नामों पर अंतिम मुहर लगी। दो सीटों के उपचुनाव में भाजपा और सपा के बीच मुकाबला है। गौरतलब है कि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के साथ ही कैबिनेट मंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर मिश्रा दयालु, जेपीएस राठौर, नरेंद्र कश्यप, जसवंत सैनी, दानिश आजाद अंसारी तथा बनवारी लाल दोहरे व मुकेश शर्मा ने नामांकन कर दिया है। इन सभी का निर्विरोध निर्वाचन तय है। वहीं विधायकों के संख्या बल के हिसाब से भाजपा के नौ तथा सपा के चार प्रत्याशियों की जीत तय है।

यूपी विधान परिषद में कांग्रेस की संख्या शून्य होगी

यूपी में कांग्रेस अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। 6 जुलाई को कांग्रेस अपने सबसे खराब दौर में आ जाएगी। इस बार हुए विधान सभा चुनाव में तो सदस्य संख्या के लिहाज से सबसे निचली स्थिति में पहुंच गई है। उसके दो विधायक जीते और 2.5 फीसदी से भी कम वोट मिले। 113 साल में पहली बार ऐसा होगा जब विधान परिषद में कांग्रेस का कोई प्रतिनिधि नहीं होगा। उसके एकमात्र सदस्य दीपक सिंह का कार्यकाल 6 जुलाई को खत्म होगा।

विधान परिषद में भाजपा के 66 सदस्य

विधान परिषद में भाजपा के सदस्यों की संख्या 66 है जबकि सपा के 11 सदस्य हैं। 6 जुलाई को विधान परिषद के 13 सदस्यों का कार्यकाल खत्म होने जा रहा है। जिन 13 सीटों पर चुनाव होना है, उनमें 9 पर भाजपा और 4 पर सपा जीत दर्ज कर सकती है। विधान परिषद में एक सीट जीतने के लिए 31 सदस्यों की जरूरत होगी। भाजपा गठबंधन की बात करें तो विधानसभा में उसके पास 273 और सपा गठबंधन के पास 125 विधायक हैं।

इन 13 लोगों का कार्यकाल हो रहा पूरा

6 जुलाई को 13 लोगों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इनमें योगी आदित्यनाथ (रिक्त), भूपेंद्र चौधरी, केशव प्रसाद मौर्य, शतरुद्र प्रकाश, जगजीवन प्रसाद, अंतर सिंह राव, डॉ. कमलेश कुमार पाठक, रणविजय सिंह, बलराम यादव शामिल हैं। इसके अलावा, दिनेश चंद्र, दीपक सिंह, सुरेंद्र कुमार कश्यप, राम सुंदर का भी कार्यकाल पूरा हो रहा है।

सपा गठबंधन में फिर बढ़ी कलह, सहयोगी दलों में विरोध के स्वर तेज

टिकट नहीं मिलने से हुए नाराज महान दल ने तोड़ा नाता

» सुभासपा नेता भी जताने लगे हैं नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा गठबंधन में एक बार फिर कलह सामने आने लगी है। विधान परिषद चुनाव से पहले गठबंधन में दरारें पड़ने लगी हैं। सपा की सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) और महान दल ने विधान परिषद चुनाव में सीट न मिलने पर नाराजगी जताई है। महान दल ने सपा गठबंधन से खुद को अलग कर लिया है जबकि सुभासपा में खुलकर नाराजगी जताई है।

यूपी विधान परिषद चुनाव के लिए सपा के चार उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल कर दिया है। इनमें से दो सपा नेता आजम खां के नजदीकी हैं। पार्टी की ओर से तय किए गए उम्मीदवारों में स्वामी प्रसाद मौर्य, करहल के पूर्व विधायक सोबरन सिंह यादव के पुत्र मुकुल यादव शामिल हैं। इसके अलावा सहारनपुर से शाहनवाज खान शब्बू व सीतापुर के जासमीर अंसारी का नाम शामिल है। विधान परिषद की 13 सीटों के लिए हो रहे चुनाव में चार सीटें सपा को मिलनी तय मानी जा रही है। सपा में कई दिनों से एमएलसी प्रत्याशियों के नाम को लेकर रस्साकशी चल रही थी। चूंकि सपा ने राज्य सभा की एक सीट सहयोगी दल रालोद को दी थी इसलिए विधान परिषद में सुभासपा को एक सीट मिलने की उम्मीद थी लेकिन सपा ने मुस्लिम समुदाय के दो प्रत्याशियों को विधान परिषद भेजने की रणनीति के तहत सहयोगी दल को एक भी सीट नहीं मिली। सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के बेटे व राष्ट्रीय महासचिव अरुन राजभर ने इस पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने सपा प्रत्याशियों के नामांकन के बाद ट्वीट किया कि भागीदारी देने की बात सिर्फ जुबां तक सीमित रखने से जनता उनको सीमित कर देती है। जो मेहनत करे, ताकत दे, उनको नजरअंदाज करो। जो सिर्फ बात करे उसको आगे बढ़ाओ, यह आगे के लिए हानिकारक है। वहीं, विधान परिषद न भेजे जाने से नाराज महान दल के अध्यक्ष केशव देव मौर्य ने तो बड़ा फैसला ले लिया। उन्होंने सपा गठबंधन से खुद को अलग कर लिया है। उन्होंने कहा कि दवाब डालने वालों को अखिलेश यादव विधान परिषद और राज्य सभा भेज रहे हैं। उन्हें अब मेरी जरूरत नहीं है। लिहाजा वह गठबंधन तोड़ने का फैसला ले रहे हैं। महान दल को सपा ने विधान सभा में दो सीटें दी थीं, हालांकि दोनों पर ही उसके प्रत्याशी हार गए थे।

शिवपाल यादव भी भड़के

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) ने सपा को बड़ा झटका दिया है। यूपी में विधान सभा चुनाव में सपा के साथ चुनाव लड़ने वाली प्रगतिशील समाजवादी पार्टी ने तय किया है कि इस साल के अंत में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। यह फैसला पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में लिया। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि पिछले कुछ महीने मेरे जीवन के सबसे कठिन समय थे। यह राजनीतिक धैर्य, त्याग, आत्म-संयम और समाज की उम्मीदों की परीक्षा थी। शिवपाल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि आप सभी की भावनाओं और जनभावना का सम्मान करते हुए हमने खुले दिल से समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया था, किंतु हमारे साथ विश्वासघात हुआ है। इस घात का ही परिणाम है कि आज समाजवादी पार्टी विपक्ष में बैठी है। हमारी पार्टी प्रगतिशील समाजवाद व समावेशी राष्ट्रवाद के सिद्धांत के साथ आगे बढ़ेगी। राम के नाम पर विभाजन और नफरत की राजनीति की इजाजत किसी को नहीं है। दरअसल, रामपुर और आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की थी, जिसमें शिवपाल यादव का नाम नहीं था। जिसके बाद शिवपाल यादव ने अपने पदाधिकारियों के साथ मीटिंग की थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

महामारी से अभी रहना होगा सावधान

सवाल यह है कि महामारी पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? बढ़ते केस क्या एक और लहर की आहट हैं? क्या राज्य सरकारों की लापरवाही के चलते हालात बिगड़ रहे हैं? तमाम हिदायतों के बावजूद कोरोना गाइडलाइन का पालन क्यों नहीं किया जा रहा है? संक्रमण की रफ्तार को रोकने के लिए प्रभावित राज्यों में जरूरी सक्रियता क्यों नहीं दिख रही है?

कोरोना महामारी ने एक बार फिर रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है। पिछले तीन दिनों से संक्रमितों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। हालत यह है कि एक दिन में सात हजार से अधिक केस सामने आ रहे हैं। महाराष्ट्र, दिल्ली और केरल में संक्रमण सबसे अधिक है। लिहाजा स्वास्थ्य मंत्रालय एक बार फिर अलर्ट मोड पर आ गया है और उसने राज्यों को कोरोना गाइडलाइन के पालन समेत कई दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सवाल यह है कि महामारी पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? बढ़ते केस क्या एक और लहर की आहट हैं? क्या राज्य सरकारों की लापरवाही के चलते हालात बिगड़ रहे हैं? तमाम हिदायतों के बावजूद कोरोना गाइडलाइन का पालन क्यों नहीं किया जा रहा है? संक्रमण की रफ्तार को रोकने के लिए प्रभावित राज्यों में जरूरी सक्रियता क्यों नहीं दिख रही है? क्या इन राज्यों से पूरे देश को संक्रमण का खतरा नहीं है? क्या एक और लहर देश की अर्थव्यवस्था को गर्त में नहीं पहुंचा देगी?

पिछले दो साल से देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है। इसने न केवल देश की अर्थव्यवस्था को बेपटरी कर दिया बल्कि पांच लाख से अधिक नागरिकों की जान ले ली है। दूसरी लहर ने पूरे देश में हाहाकार मचा दिया था। हजारों लोगों ने इलाज के अभाव में दम तोड़ दिया था। ऑक्सीजन से लेकर दवाओं तक का टोटा पड़ गया था। हालांकि बाद में हालात सुधरे। लॉकडाउन हटने और कोरोना वैक्सीन की उपलब्धता से देश में एक बार फिर गतिविधियां तेज हुई हैं। अर्थव्यवस्था भी धीरे-धीरे सुधार की ओर बढ़ रही हैं। ऐसे में ओमिक्रान के बीए.4 और बीए.5 वेरिएंट ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। इस वेरिएंट से सबसे अधिक प्रभाव महाराष्ट्र, दिल्ली और केरल में दिखाई पड़ रहा है। यहां संक्रमितों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। जाहिर है, यदि इसकी रफ्तार नहीं रोकी गयी तो आने वाले दिनों में यह पूरे देश को प्रभावित कर देगा। यह भी सच है कि कोरोना गाइडलाइन का पालन नहीं होने के कारण हालात बिगड़ रहे हैं। तमाम हिदायतों के बाद भी लोग प्रभावित क्षेत्रों में न तो मास्क लगा रहे हैं न ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं। इसके अलावा टेस्टिंग, ट्रैक और टीकाकरण को भी लेकर लापरवाही बरती जा रही है। जाहिर है, कोरोना से प्रभावित राज्यों के अलावा अन्य राज्यों में भी कोरोना गाइडलाइन का पालन सुनिश्चित करने की जरूरत है। यदि ऐसा नहीं किया गया तो संक्रमण को बढ़ने से रोकना मुश्किल होगा और यह स्थिति देश और देशवासियों के लिए ठीक नहीं होगी। लिहाजा जब तक कोरोना का प्रकोप है राज्य सरकारों को सतर्क रहना होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जरूरी है बहुलतावादी लोकतंत्र

संजय बारू

बीते सप्ताह केंद्रीय गृहमंत्री ने एक लेख में दावा किया कि 'मोदी सरकार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा राजनीति का विषय नहीं है। यह 'राष्ट्र को सर्वोपरि' रखने का मामला है। हमारी सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अखंडता से समझौता नहीं कर सकती है।' फिर भी, लगता है कि केंद्र सरकार और भाजपा यह नहीं समझती कि धार्मिक असहिष्णुता और धर्मांधता भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अखंडता के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं। इसे अनदेखा कर, उससे भी खराब उसे बढ़ावा देकर, सत्ताधारी पक्ष द्वारा निरंतर धार्मिक कट्टरता का प्रदर्शन करना राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अखंडता के हित में नहीं है। सभी धर्मों में छिटपुट तत्व हैं पर उन सभी के साथ कड़ाई से निपटना चाहिए ताकि वे हाशिये से मुख्यधारा न बन सकें।

हमारी सशस्त्र सेनाएं सुरक्षा की बाह्य चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह से सक्षम हैं, यह भारत की आंतरिक सुरक्षा है, जो चिंताजनक बनी हुई है। सांप्रदायिकता, उग्रवाद, धर्मांधता व धार्मिक असहिष्णुता से पैदा हुईं चुनौतियों से राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठान अभी तक पार नहीं पा सका है। यह हो भी कैसे सकता है, जब विभिन्न स्तरों पर राजनीतिक नेतृत्व ही वोट की तलाश में ऐसी शक्तियों को बढ़ावा देता रहेगा? राष्ट्रों के समुदाय में भारतीय गणराज्य दशकों से बहु-जातीयता, बहुभाषी, बहु-सांस्कृतिक और बहु-धार्मिक धर्मनिरपेक्ष और बहुलतावादी लोकतंत्र के रूप में प्रतिष्ठित रहा था। विश्व में कुछ ही देश हैं, जो अपने बारे में ऐसा दावा कर सकते हैं। हमें अपनी विविधता में एकता पर गर्व होता था। गंभीर उन्माद के समक्ष भारतीय गणराज्य की इसी विशिष्टता की रक्षा करना भारत के लिए हमेशा से मुख्य राजनीतिक एवं सुरक्षा चुनौती रहा है। भाजपा की एक राष्ट्रीय प्रवक्ता द्वारा मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को आहत करनेवाला बयान देने के एक सप्ताह से अधिक समय तक पार्टी और सरकार चुप रही थीं पर जब कुछ अरब देशों ने सत्ताधारी पार्टी के सदस्यों पर कार्रवाई न करने की आलोचना की, तो त्वरित कार्रवाई की गयी।

अरब के सामंती शासकों, जिनमें से एक भी लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित नहीं हैं, की भर्त्सना के कारण भाजपा को अपने प्रवक्ताओं पर कार्रवाई करनी पड़ी और विदेश मंत्रालय को सफाई देनी पड़ी कि उन प्रवक्ताओं के बयान भारत सरकार के विचार को प्रतिबिंबित नहीं करते। यह बहु-धार्मिक और बहुलतावादी लोकतंत्र के रूप में भारत की वैश्विक

प्रतिष्ठा को एक आघात है। विदेश मंत्रालय का स्पष्टीकरण भारतीय कूटनीति के समक्ष नयी चुनौतियों को भी रेखांकित करता है। अतीत में जब भी कभी बाहर के किसी स्वयंभू मुस्लिम प्रतिनिधि ने अल्पसंख्यकों से बर्ताव को लेकर भारत को नसीहत देने का विशेषाधिकार हड़पने की कोशिश की तो भारतीय मुस्लिम नेतृत्व द्वारा उसे तुरंत जवाब दिया जाता था। धर्म के नाम पर राज करनेवाले शासनों के पास क्या नैतिक अधिकार है कि वे एक धर्मनिरपेक्ष और बहुलतावादी लोकतंत्र की भर्त्सना करें, जिसने सभी अल्पसंख्यकों को संवैधानिक अधिकार दिये हैं? भारतीय मुस्लिम समुदाय के लिए बोलने के अधिकार का दावा करने के प्रयास में इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआइसी) कई वर्षों से बार-बार भारत सरकार और राष्ट्र के विरुद्ध बयान देता आ रहा है। भारतीय राष्ट्रीय नेतृत्व और कई मुस्लिम नेताओं ने ऐसी आलोचनाओं को खारिज किया है। इसके बावजूद धार्मिक कट्टरता से जुड़ी घरेलू चिंताओं पर कुछ करने से छह साल तक इनकार करनेवाली सरकार ने उन अरब शासनों को सफाई दी है, जो धन से और क्षेत्र में असर का कारोबार कर प्रभावशाली हुए हैं। पाकिस्तान ने भारत में अतिवादी इस्लामिक तत्वों को बढ़ावा दिया है, तो चीन ने माओवादी उग्रवाद को उकसाया है। समय-समय पर अन्य देशों ने भी भारत को कमजोर करने की कोशिश की है, जिसने अपने लिए अपनी सोच से बोलना तय किया है। साठ व सत्तर के दशक में पश्चिमी विश्लेषक भारत के बिखरने की भविष्यवाणी कर रहे थे। भारतीय गणराज्य का अस्तित्व बना रहा। 'नया भारत' आज जब 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है, भारत की एकता एवं अखंडता पर धार्मिक, भाषाई और विकासात्मक विभाजनों के असर से जुड़ी नयी चिंताएं पैदा हो रही हैं।

ऐसे समय में मुख्यधारा की पार्टियों से जुड़े तत्वों का ऐसे बयान देना गैरजिम्मेदाराना है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अखंडता और कमजोर होती हो। केंद्र और राज्यों में सत्तारूढ़ कई पार्टियों ने कमजोर तबके के बारे में चिंता जताने पर लोगों के खिलाफ राजद्रोह का मुकदमा थोपा है तो फिर धार्मिक घृणा फैलानेवाले बयान देनेवाले क्यों गिरफ्तार नहीं किये गये? तमाम प्रधानमंत्रियों ने लगातार कहा है कि भारत एक पुरानी सभ्यता है, पर एक युवा राष्ट्र है। हम भले अपनी सभ्यता के मूल्यों को याद करें, उन पर गर्व करें, पर हमारे ध्यान में यह हमेशा रहना चाहिए कि हम अभी भी एक युवा राष्ट्र हैं। राज्यों के संघ भारत की एकता एवं अखंडता तथा बहुल व विविधतापूर्ण समाज को बचाना हर सरकार का पवित्र दायित्व है।

रक्षा आत्मनिर्भरता है लंबी प्रक्रिया

अशोक मेहता

रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता और घरेलू रक्षा उद्योगों को बढ़ावा देने की पहल निश्चित ही सराहनीय है। मेक इन इंडिया मुहिम के तहत अनेक तरह के काम हो रहे हैं लेकिन, उच्च प्रौद्योगिकी के लिए अभी हमें लंबा सफर तय करना है। अभी हमारे रक्षा उद्योग की व्यवस्थित अवसंरचना तैयार नहीं हुई है। यह शुरुआती दौर में है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) या अन्य किसी संस्था द्वारा अभी ऐसा कोई विशेष रक्षा हथियार नहीं बनाया गया है, जिसे हम विश्वस्तरीय कह सकते हैं। डीआरडीओ और रक्षा उद्योग को और बेहतर बनाने की आवश्यकता है, ताकि हथियारों और उपकरणों के लिए हमारी बाहरी देशों पर निर्भरता कम हो सके। टाटा, महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो जैसे निजी क्षेत्र के बड़े समूह मेक इन इंडिया अभियान को सफल बना सकते हैं। सरकार की तरफ से कोशिश हो रही है कि विदेशी हथियार निर्माताओं के साथ भारतीय कंपनियों की साझेदारी में हथियारों और उपकरणों का विकास हो।

प्रश्न है कि आपको तकनीक कौन मुहैया करायेगा। दशकों पुराने एफ-16 की तकनीक मिल सकती है लेकिन, हमें जरूरत है अत्याधुनिक तकनीक की। आपको स्टेट ऑफ द आर्ट टेक्नोलॉजी कौन देगा, इस पर विचार करना होगा। रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बढ़ा है, साथ ही कहा गया है कि अगर तकनीक मिलती है तो एफडीआई की सीमा को और बढ़ाया जायेगा। अभी तक रूस को छोड़कर किसी ने टेक्नोलॉजी नहीं दी है लेकिन, रूस विश्वस्तरीय स्टेट ऑफ द आर्ट टेक्नोलॉजी नहीं बनाता। रूसी हथियार मजबूत और टिकाऊ होते हैं, लेकिन उसकी तकनीक उस स्तर की नहीं है जो अमेरिका, इजरायल या अन्य यूरोपीय देशों के पास है। अभी भारत-अमेरिका के बीच विस्तृत और रणनीतिक साझेदारी बनी है। अमेरिका ने घोषणा की है कि वे रक्षा क्षेत्र और उपकरण के लिए 500 मिलियन डॉलर देंगे। वे चाहते हैं कि हम रूस से हथियारों की खरीद बंद कर दें। यूक्रेन पर हमले के बाद यह दबाव और बढ़ा है। वे मेक इन इंडिया के लिए तैयार हैं, लेकिन टेक्नोलॉजी देने को तैयार नहीं हैं। भारत-अमेरिका टेक्नोलॉजी एनीशिएटिव की बहुत बातें हुई हैं, लेकिन टेक्नोलॉजी ट्रांसफर नहीं हुआ। रूस से जितना भी उपकरण आता है, वह भारत में असेंबल होता है। हालांकि, घरेलू स्तर पर कुछ अच्छी शुरुआत हुई है, लेकिन अधिकतर असेंबलिंग का ही काम हो रहा है। रूस या अमेरिका से हम लड़ाकू विमान का इंजन लेते हैं। चार दशक से इसे बनाने की कोशिश हो रही है। साझा विकास और साझा उत्पादन दो बातें होती हैं। जैसे, रूस के साथ हमने ब्रह्मोस का साझा उत्पादन किया। अभी इजरायल के साथ हम हथियारों के साझा विकास और साझा उत्पादन के लिए आगे बढ़ रहे हैं। हथियार या उपकरण के रिसर्च और डेवलपमेंट का काम साझा तरीके से होना जरूरी है।

भारत सरकार ने कई तरह से सैन्य उपकरणों और हथियारों के आयात को प्रतिबंधित कर दिया है। सरकार का कहना है कि इनका उत्पादन घरेलू स्तर पर होगा। घरेलू स्तर पर रक्षा उद्योगों के विस्तार और शोध एवं विकास (आर एंड डी) का ढांचा तैयार किये बगैर विदेशी मुद्रा विनिमय को रोकने के लिए अगर आयात बंद किया जायेगा तो हथियारों की गुणवत्ता प्रभावित होगी। विश्वस्तरीय हथियारों के उत्पादन के लिए हमें रिसर्च एवं डेवलपमेंट पर विशेष तौर पर काम करना होगा। तेजस लड़ाकू विमान को घरेलू स्तर पर विकसित किया गया है लेकिन उसका इंजन आयातित है। नौसेना के पास अपनी औद्योगिक संरचना और आर एंड डी है लेकिन, वायुसेना तथा थलसेना की विदेशी हथियारों पर निर्भरता अधिक है। अभी से लेकर अगले 15-20 वर्षों तक घरेलू रक्षा उद्योग, डीआरडीओ को विकसित होने में समय लगेगा अगर बाहर के देश टेक्नोलॉजी नहीं देंगे, तो रक्षा उत्पादन पर असर पड़ेगा। रक्षा बजट को थोड़ा बढ़ाया गया है लेकिन, आर एंड डी का बजट उम्मीद से काफी कम है अगर इसका बजट 10 प्रतिशत भी नहीं होगा तो अकादमिक शोध को बढ़ावा कैसे मिलेगा। आईआईटी और विश्वविद्यालयों में रिसर्च डेवलपमेंट के लिए हमारे पास बजट नहीं है अगर आधुनिकीकरण करना है तो पूंजी खर्च बढ़ाना ही होगा। इसके लिए सरकार को अन्य पहलुओं पर भी विचार करना होगा। सिविल इंडस्ट्री इस उद्योग में निवेश नहीं करना चाहती, क्योंकि बिना ऑर्डर के निवेश करने का औचित्य क्या है। मांग में वृद्धि होने पर ही निजी क्षेत्र रक्षा उद्योग में निवेश के लिए प्रोत्साहित होंगे। सिस्टम को तैयार करने की दिशा में अनेक अड़चनें हैं, लेकिन सरकार कोशिश कर रही है। उसका आनेवाले वर्षों में सकारात्मक रुझान दिखेगा। रूस के अलावा अमेरिका, फ्रांस से हथियार और उपकरण आयात किये जाते हैं। इजरायल और जापान के साथ भी रक्षा व्यापार बढ़ रहा है। जापान और जर्मनी हाई टेक्नोलॉजी वाले देश हैं। ऐसे में जापान, जर्मनी जैसे नये विकल्पों की ओर देखना होगा। रूस के साथ हम ट्रेड ऑन ट्रेड कर सकते थे, लेकिन इन देशों से फॉरेन एक्सचेंज में ही भुगतान करना पड़ेगा। अभी 15 से 20 वर्ष तक रूसी हथियारों पर हमारी निर्भरता बनी रहेगी क्योंकि, हथियारों के कांट्रैक्ट और डिलीवरी में समय लगता है। रक्षा आत्मनिर्भरता में हमें दीर्घकालिक लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना होगा, तभी हम सकारात्मक परिणाम हासिल कर पायेंगे।

सनग्लासेज खरीदते वक्त ज्यादातर लोग सिर्फ रंग, डिजाइन और शेप देखते हैं। ब्रैंडेड चश्मा भी ले रहे हैं तो इसमें कुछ फैक्टर्स जरूर चेक कर लें।

सस्ता कहीं आपकी आंखों के लिए न पड़ जाए महंगा

सनग्लासेज

ऐसे करें क्वॉलिटी चेक

सनग्लासेज जहां फैशन एक्सेसरी के तौर पर पॉप्युलर है। वहीं यह आंखों के प्रोटेक्शन का काम भी करता है। सनग्लासेज में शेप, साइज, कलर, लेंस के लिहाज से कई तरह के ऑप्शंस मिल जाते हैं लेकिन सस्ते के चक्कर में कई बार आपकी आंखों के लिए ये महंगे पड़ सकते हैं। जानें सनग्लासेज खरीदने के लिए कुछ जरूरी टिप्स...

ऐसे चेक करें सन प्रोटेक्शन

सनग्लासेज के नाम से ही जाहिर हो रहा है कि ये आपकी आंखों को धूप से बचाने के लिए होते हैं। हालांकि इन्हें फैशन एक्सेसरी के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है। पैसों के लिहाज से भी सनग्लासेज में काफी वेरायटीज मिलती हैं लेकिन सस्ते सनग्लासेज आपकी जेब के लिहाज से भले ही ठीक हों लेकिन आंखों पर इनका काफी खराब असर हो सकता है। सनग्लासेज में सबसे जरूरी फैक्टर अल्ट्रावायलट प्रोटेक्शन का होता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि जितनी ज्यादा कीमत होगी यूवी प्रोटेक्शन भी उतना बेहतर होगा। सनग्लासेज खरीदें तो देखें कि इसमें सन ब्लॉकिंग परसेंटेज क्या है। 99 से 100 परसेंट यूवी ब्लॉक वाले सनग्लासेज ही चुनें। कुछ मैन्युफैक्चरर्स लेबल्स पर लिखते हैं, **UV absorption up to 400nm** इसका मतलब होता है 100 परसेंट यूवी प्रोटेक्शन।

लेंस की क्वॉलिटी

शेडेड लेंस वाले सनग्लासेज से बचें। कहीं डार्क, कहीं लाइट शेड न लें। लेंस ठीक है या नहीं इसके लिए चश्मे को हाथ में पकड़कर थोड़ा दूर ले जाएं और इनसे देखने की कोशिश करें अगर आपको ऊंचा-नीचा या गड़बड़ दिखे मतलब लेंस में गड़बड़ी है।

रैप-अराउंड

रैप-अराउंड सनग्लासेज आंखों को ज्यादा प्रोटेक्शन देते हैं। अगर आपका चश्मा आपकी आंखों को पूरी तरह से कवर कर रहा है तो इससे किसी भी एंगल से सूरज की किरणें आपकी आंखों तक नहीं पहुंचेंगी।

डार्क चश्मे पहुंचा सकते हैं ज्यादा नुकसान

जिन सनग्लासेज में यूवी प्रोटेक्शन नहीं होता है। वे बाहरी रोशनी से आंखों को बचाते तो हैं लेकिन इन्हें लगाकर धूप में ज्यादा देर रहना आंखों को काफी नुकसान पहुंचाता है। मान लीजिए आपके पास गहरे रंग का सस्ता चश्मा है। इसे लगाकर आप धूप में घूमते रहे तो इससे आपकी आंखों की पुतलियां धूप में ज्यादा खुल जाएंगी। यह चश्मा यूवी प्रोटेक्टेड नहीं है तो हानिकारक किरणें आंखों में ज्यादा प्रवेश करेंगी।

ये भी रखें ध्यान

लोकल वेंडर्स कई बार सस्ते और आकर्षक चश्मे बेचते मिल जाएंगे लेकिन इनके चक्कर में न पड़ें। हमेशा अच्छी क्वॉलिटी और ब्रैंड का चश्मा खरीदें। लेकिन हाई-फाई प्राइस टैग के झांसे में भी न आएं, इसमें सन प्रोटेक्शन और क्वॉलिटी के सारे फैक्टर्स चेक कर लें।

हंसना मना है

संता का दिल नॉन-वेज खाने को करता है! वह एक होटल में जा कर चिकन आर्डर करता है! वेटर: फ्रेंच चिकन या स्पैनिश चिकन? संता: जो मर्जी ले आ यार, मैंने कौन सा उससे बातें करनी है!

चिंटू-तेरा इतिहास का पेपर कैसा हुआ? पप्पू- बहुत बुरा, पेपर में मेरे जन्म से भी पहले के प्रश्न पूछ रखे थे।

चौधरी साहब वेटर से (गुस्से में)-मेरा आर्डर क्यों नहीं आया अभी तक? वेटर- सर पहले आप नम्रता से बात करिये। चौधरी साहब (शांत होते हुए) ठीक है, बुलाओ नम्रता को।

पप्पू-ये ट्रेन चल क्यों नहीं रही ? टीटी-अरे भारी वर्षा की वजह से ट्रेन लेट है। पप्पू-वर्षा इतनी भारी है तो वर्षा को ट्रेन से उतार क्यों नहीं देते? टीटी बेहोश।

पत्नी कुछ भी कहे तो गर्दन को दो बार ऊपर से नीचे करें, ये सर्वश्रेष्ठ योग है। यह योग न सिर्फ आपको बीपी, अनिद्रा, बेचैनी, चिड़चिड़ापन इत्यादि रोगों से बचाता है बल्कि यह योग आपके खुशहाल जीवन की कुंजी है। नोट: गर्दन को कभी भी दाएं से बाएं न घुमायें, ये जानलेवा हो सकता है।

कहानी — पेड़ और बच्चा

एक जंगल में सेब का एक बड़ा पेड़ था। एक बच्चा रोज उस पेड़ पर खेलने आया करता था। वह कभी पेड़ की डाली से लटकता, कभी फल तोड़ता, कभी उछल कूद करता, पेड़ भी उस बच्चे से खुश रहता था। कई साल इस तरह बीत गये। अचानक एक दिन बच्चा कहीं चला गया और फिर लौट के नहीं आया, पेड़ उदास हो गया। काफी साल बाद वह बच्चा फिर से पेड़ के पास आया पर वह अब कुछ बड़ा हो गया था। पेड़ उसे देखकर काफी खुश हुआ और उसे अपने साथ खेलने के लिए कहा, पर बच्चा उदास होते हुए बोला कि अब वह बड़ा हो गया है अब वह उसके साथ नहीं खेल सकता। बच्चा बोला, अब मुझे खिलौने से खेलना अच्छा लगता है, पर मेरे पास खिलौने खरीदने के लिए पैसे नहीं है, पेड़ बोला, उदास न हो तुम मेरे फल तोड़ लो और उन्हें बेच कर खिलौने खरीद लो। बच्चा खुशी-खुशी फल तोड़कर ले गया लेकिन वह फिर बहुत दिनों तक वापस नहीं आया। पेड़ बहुत दुखी हुआ। अचानक बहुत दिनों बाद बच्चा जो अब जवान हो गया था वापस आया, पेड़ बहुत खुश हुआ और उसे अपने साथ खेलने के लिए कहा, पर लड़के ने कहा कि पेड़ के साथ नहीं खेल सकता अब मुझे कुछ पैसे चाहिए क्यूंकि मुझे अपने बच्चों के लिए घर बनाना है। पेड़ बोला, मेरी शाखाएं बहुत मजबूत हैं तुम इन्हें काट कर ले जाओ और अपना घर बना लो। अब लड़के ने सारी शाखाएं काट डालीं और लेकर चला गया। उस समय पेड़ उसे देखकर बहुत खुश हुआ लेकिन वह फिर कभी वापस नहीं आया। और फिर से वह पेड़ अकेला और उदास हो गया था। अंत में वह काफी दिनों बाद थका हुआ वहां आया। तभी पेड़ उदास होते हुए बोला, अब मेरे पास न फल हैं और न ही लकड़ी अब मैं तुम्हारी मदद भी नहीं कर सकता। बूढ़ा बोला, अब उसे कोई सहायता नहीं चाहिए बस एक जगह चाहिए जहां वह बाकी जिंदगी आराम से गुजार सके। पेड़ ने उसे अपनी जड़ों में पनाह दी और बूढ़ा हमेशा वहीं रहने लगा।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आप किसी भी तरह का निवेश सावधानी से करें। स्टूडेंट्स टेंशन में हो सकते हैं। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें।

वृषभ — पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है। आमदनी बढ़ाने और खर्चों में कटौती करने पर विचार कर सकते हैं।

मिथुन — ऑफिस और बिजनेस में जो काम हाथ में लेंगे, उसमें सफलता की संभावना कम है। सम्भल कर रहें।

कर्क — नए अनुभव होंगे। मन की बातें सुनें। अपने वादे पूरे करने की कोशिश करें। महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात हो सकती है।

सिंह — परिवार व कार्यक्षेत्र के कुछ मामलों में थोड़ी बहुत बेचैनी हो सकती है। किसी के साथ अनबन हो सकती है।

कन्या — भाइयों से भी मदद मिलने के योग बन रहे हैं। नया काम भी आप शुरू करने की कोशिश कर सकते हैं।

तुला — जल्दबाजी न करें। अकेलेपन से बचें। आप कुछ लोगों से बातचीत में हिचकिचा सकते हैं।

वृश्चिक — जीवनसाथी के साथ यात्रा हो सकती है या किसी प्रोग्राम की प्लानिंग बन सकती है।

धनु — कामकाज ज्यादा हो सकता है। आज आप नौकरी या कारोबार से जुड़ा कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं।

मकर — अधिकारियों से सहयोग कम ही मिल पाएगा और आपको बिजनेस में सावधान रहना होगा।

कुम्भ — छोटे-मोटे सौदे आपके लिए फ़ायदेमंद हो सकते हैं। आप व्यावहारिक रहेंगे और चतुरता से काम लेंगे।

मीन — आप काफी सक्रिय और व्यस्त हो सकते हैं। बिजनेस के मामलों में किसी अनुभवी की सलाह जरूर लें।

बॉलीवुड | मन की बात

प्रियंका चोपड़ा ने रफल ड्रेस में पेरिस की सड़कों पर मचाया कोहराम

बॉलीवुड फिल्म स्टार प्रियंका चोपड़ा अपने स्टाइल स्टेटमेंट से सुर्खियां खींचना अच्छे से जानती हैं। किसी भी इंटरनेशनल इवेंट में अदाकारा प्रियंका चोपड़ा अपनी छाप छोड़े बगैर नहीं रहती। अदाकारा प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में पेरिस में हुए एक इवेंट में हिस्सा लिया था। जहां अदाकारा प्रियंका चोपड़ा एक बेहद खूबसूरत ब्लैक एंड व्हाइट रफल ड्रेस पहनकर पहुंची। अदाकारा प्रियंका चोपड़ा की इस ड्रेस ने हर किसी का ध्यान खींच लिया। बॉलिवुड की यह खूबसूरत ऐक्ट्रेस जैसे ही विदेशी मीडिया के सामने आई, वहां मौजूद सभी कैमरे उनकी तरफ मुड़ गए। प्रियंका ने भी हाथ वेव किए और किस करते हुए अपनी कार में जा बैठीं। प्रियंका के इस वीडियो पर उनके फैन्स और फ्रेंड्स जमकर कॉमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा है- प्रियंका चोपड़ा म्यूजियम में रखने लायक हैं। एक फैन ने कहा- एक बार की मिस वर्ल्ड हमेशा के लिए मिस वर्ल्ड। बहुत सारे ऐसे फैन्स हैं, जो प्रियंका चोपड़ा के ड्रेस के बैक की डिजाइन देखकर बेहाल हुए जा रहे हैं।

भूल भुलैया 2 के आगे सम्राट पृथ्वीराज हुई फेल

कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 2 ने बॉक्स ऑफिस पर गदर काट रखी है। फिल्म ने हम सबकी उम्मीद से दोगुना अच्छा परफॉर्म किया है। भूल भुलैया 2 ने ओपनिंग डे पर कमाई का ऐसा सिलसिला शुरू किया है, जो अब तक जारी है. यही कारण है कि फिल्म हर दिन कमाई के नये रिकॉर्ड बनाती दिख रही है।

ऐसा बहुत कम होता है जब कोई फिल्म लगातार तीन हफ्तों तक अच्छी कमाई जारी रखती है। भूल भुलैया 2 उन चंद सुपरहिट फिल्मों में से एक है. कम स्क्रीन और शोज मिलने के बावजूद फिल्म ने तीसरे हफ्ते भी अच्छी कमाई कर डाली है। शुक्रवार को कार्तिक की मूवी ने 2.81 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके बाद शनिवार को 4.55 करोड़ रुपये कमाये। वहीं सोमवार-मंगलवार को फिल्म ने 2.25 करोड़ और 2.16 करोड़ रुपये कमा डाले। इस तरह फिल्म ने तीन हफ्तों में 159.23 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर डाला है। कार्तिक आर्यन की भूल के सामने बॉक्स ऑफिस पर धाकड़, अनेक और सम्राट पृथ्वीराज जैसी कई बड़े स्टार्स की फिल्में आईं. पर टिक कोई नहीं पाई। भूल भुलैया 2, 2007 में आई भूल भुलैया का सीक्वल है, जिसे फैंस ने पहले पार्ट से दोगुना प्यार दिया है. वहीं अक्षय कुमार की सम्राट पृथ्वीराज 5 दिन में 50 करोड़ कमाने में फेल है। फिल्म का बजट 300 करोड़ है। साथ रिलीज हुई मेजर का हाल तो सबसे बुरा है, फिल्म ने 5 दिन में सिर्फ 5 करोड़ ही कमाई है। भुल भुलैया 2 की सक्सेस से खुश कार्तिक ने ट्विटर पर फैंस से रू-ब-रू होने का मन बनाया। कार्तिक के अच्छे मूड को देखते हुए फैंस ने भी लगे हाथों चौका मारते हुए पूछ दिया कि आप शादी कब रहे हैं। इसका जवाब देते हुए कार्तिक ने भी कहा दिया कि पहले उनके नाम के आगे से एलिजबल हटा दिया जाये। तब जाकर वो मैरिज की बात करेंगे। वरना वो सिंगल ही रह जाएंगे।

बॉलीवुड | गपशप

अपनी फीस जानकर नीना गुप्ता को लगा शॉक

वेटरन एक्ट्रेस नीना गुप्ता की अदाकारी के तो आप कायल ही होंगे। नीना गुप्ता बैक टू बैक फिल्मों और वेब सीरीज में नजर आ रही हैं। नीना गुप्ता की बढ़ती डिमांड का ही नतीजा है कि मेकर्स उन्हें मोटी रकम ऑफर कर रहे हैं। ये बात और है नीना ने खुद को ऑफर हुए हैवी अमाउंट पर हैरानी जताई है। नीना गुप्ता ने खुलासा किया कि उन्हें अपने हालिया प्रोजेक्ट के लिए जो अमाउंट ऑफर हुआ वो काफी ज्यादा था। इतना कि एक्ट्रेस ने अपने मैनेजर से ये तक पूछ लिया कि इतने क्यों मांगे? नीना गुप्ता ने कहा- मुझे अच्छी रकम ऑफर की जा रही है। हाल ही में मैंने कुछ किया और अपने मैनेजर से पूछा कितना पैसा मुझे मिल रहा है। मुझे बताया गया कि ये काफी ज्यादा है। मैंने कहा- नहीं यार, ये तो बहुत ज्यादा है, इतने क्यों मांगे। मैं काफी खुश हूं। वैसे नीना गुप्ता हैवी पे स्केल डिजर्व भी करती हैं। अपने करियर में नीना गुप्ता अलग अलग रोल्स कर अपने टैलेंट को निखार रही हैं। फैंस को भी नीना गुप्ता की एक्टिंग में जमकर वेरिएशन देखने को मिल रही है। जिस तरह के रोल्स और प्रोजेक्ट्स उन्हें ऑफर किए जा रहे हैं उससे एक्ट्रेस काफी खुश हैं। नीना गुप्ता की लेटेस्ट रिलीज पंचायत 2 धूम मचा रही है। फिल्म बधाई हो से एक्ट्रेस ने अपने करियर को रीबूट किया है। नीना गुप्ता फिलहाल विकास बहल की फिल्म गुडबाय की शूटिंग कर रही है। इसमें अमिताभ बच्चन और रश्मिका मंदाना नजर आएंगे। नीना गुप्ता फिल्म ऊंचाई में भी नजर आएंगी। मूवी में अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर, बोमन ईरानी भी अहम रोल में दिखेंगे। नीना गुप्ता अपनी बेटी के नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट मसाबा मसाबा में भी काम कर रही हैं। इसके अलावा वे ओटीटी पर भी जल्द नजर आने वाली है।

रिलीज | मसाला

अजब-गजब | भारत के भूतिया स्टेशन

ट्रेन रुकते ही थम जाती है लोगों की सांसें

भारत का रेल नेटवर्क दुनिया का चौथा सबसे बड़ा नेटवर्क है। यहां हर दिन कई करोड़ लोग ट्रेन से एक से दूसरे जगह जाते हैं। अपनी मंजिल तक पहुंचने के दौरान यात्री कई स्टेशन से होकर गुजरते हैं। इनमें से कुछ स्टेशन पर ट्रेन रूकती है वहीं कई स्टेशनों से ट्रेन आगे बढ़ जाती है। आज हम आपको भारत के कुछ ऐसे रेलवे स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां ट्रेन के रुकते ही यात्रियों की सांसें रुक जाती है। इसकी वजह से इनका भूतिया होना कहा जाता है कि इन स्टेशंस पर भूतों का साया है। ये साये यहां आने वाले पैसेंजर्स को काफी तंग करते हैं।

भूतिया स्टेशनों की लिस्ट में सबसे पहले नाम आता है उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में मौजूद नैनी जंक्शन का। इस स्टेशन को काफी समय से भूतिया माना जाता है। इस रेलवे स्टेशन के नजदीक ही बसा है नैनी जेल। कहा जाता है कि इस जेल में आजादी की लड़ाई लड़ने वाले स्वतंत्रता सैनानी कैद थे, उन्हें वहां काफी यातनाएं दी जाती थी। माना जाता है कि इन्हीं की आत्माएं नैनी स्टेशन पर घूमती हैं। नैनी स्टेशन के अलावा आंध्रप्रदेश के चित्तूर रेलवे स्टेशन को भी भूतिया कहा जाता है। आसपास में रहने वाले लोगों के मुताबिक इस स्टेशन ओर एक सीआरपीएफ जवान का भूत भटकता है। इस जवान को इसी स्टेशन पर भीड़ ने मिलकर इतना पीटा था कि उसकी मौत हो गई थी। तब से उसकी आत्मा इन्साफ के लिए यहां भटकती है। मुंबई के मुलुंड रेलवे स्टेशन को भी भूतिया माना जाता है। इस स्टेशन से कई लोगों ने किसी के चीखने चिल्लाने और रोने की आवाज सुनी है, लेकिन जब आवाज की तरफ बढ़ते हैं, तो वहां कोई भी मौजूद नहीं होता। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया के बेगुंकोदोर रेलवे स्टेशन को भी भूतिया कहा जाता है। इस वजह से स्टेशन को 42 साल तक बंद रखा गया था, लेकिन 2009 में इसे खोल दिया गया। इनके अलावा हिमाचल प्रदेश के बड़ोग रेलवे स्टेशन को भी भूतिया कहा जाता है। वैसे तो ये स्टेशन काफी खूबसूरत रेल रूट के लिए जाना जाता है लेकिन कहते हैं कि इसका निर्माण करवाने वाले एक ब्रिटिश इंजीनियर कर्नल की ही आत्मा यहां घूमती है।

14 साल के बच्चे को उसकी शैतानियों के चलते तीन साल के लिए किया गया शहर से बाहर

बच्चे जब शैतानी करते हैं तो उन्हें सजा देने के लिए टीचर उन्हें क्लास से बाहर कर देते हैं। वहीं माता-पिता भी बच्चों को सुधारने के लिए उन्हें सजा के तौर पर कई बार किसी कमरे में बंद कर देते हैं या फिर कुछ देर के लिए घर से बाहर खड़ा करने के लिए कह देते हैं। मगर क्या आपने कभी कोर्ट द्वारा किसी बच्चे को ऐसा आदेश सुनाते देखा है? हाल ही में इंग्लैंड के एक 14 साल के बच्चे के साथ ऐसा ही हुआ। उसकी शैतानियां इतनी बढ़ गई थीं कि उसे शहर से ही बाहर निकाल दिया गया। वोर्सेस्टरशायर के किडरमिनिस्टर कसबे से एक घटना ने सभी को चौंका दिया। मेट्र वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार 14 साल के कीलन ईवान्स को सजा के तौर पर कसबे से निकाल दिया गया। आप सोचेंगे कि आखिर छोटे से बच्चे ने ऐसी भी क्या हरकत कर दी होगी कि उसके साथ ऐसा सुलूक किया गया। चलिए आपको विस्तार से बताते हैं कि पूरा मामला क्या है। रिपोर्ट के मुताबिक बच्चे पर एंटी-सोशल रवैया का इल्जाम लगाया गया है। लोगों ने कई बार पुलिस में ये शिकायत की कि बच्चा उन्हें डराता-धमकाता है और ऑनलाइन अब्यूज भी करता है। इसके अलावा वो लोकल व्यापारियों, जनता को भी काफी परेशान करता था। वेस्ट मर्सिया पुलिस को जब बच्चे की काफी ज्यादा शिकायतें मिलीं तो उन्होंने फैसला किया कि उसे गिरफ्तार किया जाएगा। उसके खिलाफ क्रिमिनल बिहेवियर ऑर्डर का मामला दर्ज किया गया है। इसके तहत अब वो मई 2025 तक उस कसबे में प्रवेश नहीं कर सकेगा। वोरसेस्टर मैजिस्ट्रेट कोर्ट ने उस पर इस बात की भी पाबंदी लगा दी कि वो परिवार के अलावा, 3 से ज्यादा लोगों के साथ जनता के बीच नहीं घूम सकता। अब अगर बच्चे ने इन प्रतिबंधों का पालन नहीं किया तो उसे जुर्माने के तौर पर भारी धनराशि देनी पड़ेगी और जेल भी जाना पड़ेगा। पुलिस के एक प्रवक्ता ने मेट्रो वेबसाइट के बात करते हुए कहा कि वो उम्मीद करते हैं कि इन पाबंदियों का उस पर असर पड़ेगा और वो इस तरह की हरकतें नहीं करेगा।

कानून व्यवस्था ध्वस्त, यूपी बना अपराध का अड्डा : अखिलेश

» भाजपा नेता पुलिस-प्रशासन का कर रहे दुरुपयोग

» समाज का कोई वर्ग नहीं सुरक्षित, कुनीतियों से जनता परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी अपराध का अड्डा बन गया है। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गयी है। लूट-पाट, हिंसा की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पुलिस प्रशासन के साये में आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश की जनता असुरक्षित महसूस कर रही है जबकि अपराधियों के हौसले बढ़ गये हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में ईज ऑफ बिजनेस नहीं ईज ऑफ क्राइम हो रहा है। छिनैती, अपहरण और रंगदारी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। मेरठ में जहां व्यापारी से 50 लाख की रंगदारी मांगी गई वहीं आगरा में कारीगर से 33 किलो चांदी की लूट हो गयी। कौशांबी में व्यापारी को धमकाकर नगदी लूटकर घायल कर दिया गया। नोएडा और गाजियाबाद में सैर पर निकली बुजुर्ग महिलाओं से सोने की चेन लूट ली गयी।

यूपी में इन्वेस्टर्स समिट में उद्योगपतियों के सामने उत्तर प्रदेश की जो छवि प्रस्तुत की गयी उसका सच्चाई से कोई सम्बंध नहीं है। भाजपा नेता और कार्यकर्ता स्वयं नियम-कानून का उल्लंघन कर रहे हैं। देवरिया में भाजपा जिला पंचायत सदस्य रेप का दोषी है। भाजपा नेता सत्ता के नशे में पुलिस प्रशासन का दुरुपयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बुलन्दशहर में दिनदहाड़े नकदी व गहने लूटकर हथियार लहराते बदमाश भाग गये। गाजियाबाद में एक किशोरी का गैंगरेप कर वीडियो बनाने वाले अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में अराजकता की घटनाओं पर कोई अंकुश नहीं लग रहा है। वहां दुष्कर्म पीड़िता की हत्या कर दी गयी। यह तमाम घटनायें प्रदेश का वास्तविक परिचय है। प्रदेश की जनता भाजपा की कुनीतियों से त्रस्त हो गयी है। समाज का कोई भी वर्ग सुरक्षित नहीं है। महिलाएं डर और दहशत में जी रही हैं। भाजपा सरकार कानून का शासन स्थापित करने में पूरी तरह विफल है। यूपी में क्राइम अनकंट्रोल हो गया है। सरकार को जनमत का सम्मान करते हुए पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए जिससे जनता अमन चैन से रह सके।

बस और कार में टक्कर, परिवार के चार लोगों की मौत

» पांच घायल, बस चालक फरार

» कन्नौज से गंगा स्नान कर लौट रहे थे कार सवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

औरैया। जिले में बेला-बिधूना मार्ग पर आज सुबह कार और रोडवेज बस की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि पांच की हालत नाजुक है। कार सवार कन्नौज से गंगा स्नान कर इटावा लौट रहे थे। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा है। बस चालक फरार हैं।

इटावा के उग्रपुरा लखना निवासी एक ही परिवार के दस लोग कन्नौज से गंगा स्नान करके लौट रहे थे। आज सुबह छह बजे के करीब बेला-बिधूना मार्ग पर जनहितकारी चिकित्सालय गेट के पास गलत दिशा से आ रही औरैया डिपो की रोडवेज बस ने उनकी कार में टक्कर मार दी। हादसे में अनमोल उर्फ गोलू (सात) पुत्र दीपू, गीता (50) पत्नी पप्पू, सुशीला पत्नी बाबूराम (45) व चालक शैलेंद्र कुमार (30) निवासी उग्रपुरा लखना इटावा की मौके पर मौत हो गई। वहीं, जोगेश, दीपू, जगतसिंह, कल्लू और प्रेमकुमार गंभीर रूप घायल हो गए। जानकारी पर बेला और बिधूना थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को सीएचसी बिधूना में भर्ती कराया गया है। थानाध्यक्ष बेला जीवाराम ने बताया कि बस में सवार कोई यात्री घायल नहीं हुआ है। वाहनों को कब्जे में लिया गया है। बस चालक मौके से फरार हो गया है, जिसकी तलाश की जा रही है।

खेत में युवक का शव मिलने से सनसनी

» परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। फतेहपुर सीकरी थाना क्षेत्र में आज सुबह खेत में युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवक गुरुवार की सुबह अपनी बहन के घर जाने की कहकर निकला था मगर वहां नहीं पहुंचा। पुलिस का कहना है कि मामला दुर्घटना का प्रतीत होता है।

फतेहपुर सीकरी के गांव औलेंडा और नगला दधिराम के ग्रामीण शौच के लिए गए थे। उन्होंने सड़क किनारे खेत में एक युवक का शव पड़ा देखा। शव के पास ही बाइक पड़ी हुई थी। युवक का शव खेत में मिलने का पता चला तो आसपास के दर्जनों ग्रामीण वहां जुट गए। पुलिस मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों ने युवक के साथ अनहोनी की आशंका जताई। वह खेत में पेट के बल पड़ा हुआ था। युवक की पहचान पवन पुत्र देशराज निवासी गांव महदऊ के रूप में हुई। पुलिस के सूचना देने पर युवक के स्वजन भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने पुलिस को बताया कि पवन नागपुर में एक कंपनी में काम करता था। वह तीन सप्ताह पहले गांव आया था। पवन गुरुवार की सुबह अपनी बहन के घर जाने की कहकर बाइक से निकला था। बहन फतेहपुर सीकरी के ही गांव मगौली में रहती है। पवन का मोबाइल आदि सामान उसके पास मिला है। स्वजन ने उसकी हत्या करके शव को खेत में फेंकने की आशंका जताई है। सीओ अछनेरा राजीव सिरोही ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टया दुर्घटना का प्रतीत होता है।

मुठभेड़ में तीन लुटेरे गिरफ्तार, महिला दारोगा से की थी पांच लाख की लूट

» एक घायल भर्ती सिलीगुड़ी के रहने वाले हैं बदमाश

» सभी का है लंबा आपराधिक इतिहास पुलिस कर रही पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। डिग्री कॉलेज चौराहे के पास तीस मई को महिला दारोगा से पांच लाख लूटने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। तीनों लुटेरे मूलरूप से सिलीगुड़ी के रहने वाले हैं और अंबेडकरनगर में 28 लाख की लूट की वारदात को अंजाम दे चुके हैं।

आज तड़के करीब चार बजे पुलिस को सूचना मिली कि तीनों बदमाश बाइक से राजघाट होते हुए लालगंज की ओर जा रहे हैं। शहर पुलिस व एसओजी ने राजघाट पुल के पास घेराबंदी की। पुलिस को देख बदमाशों ने फायरिंग की और भागने का प्रयास किया। जवाब में पुलिस ने भी फायर झोंका, जिसमें एक बदमाश को गोली लग गई। पुलिस ने मौके से तीनों बदमाशों को पकड़ लिया। मोनू नाम के बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी है, जिसका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। उसके अन्य दो साथियों रोमियो और काशी से पुलिस पूछताछ कर रही है। अपर पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि तीनों बदमाशों का काफी लंबा आपराधिक इतिहास है। इन्हीं लोगों ने महिला दारोगा से पांच लाख की लूट की थी। इनके पास से 4.20 लाख रुपये बरामद भी कर लिए गए हैं। महिला दारोगा नीता सिंह 30 मई को बैंक से रुपये निकालकर वापस अपने घर गोरा बाजार जा रही थीं। डिग्री कॉलेज चौराहे के पास बाइक सवार बदमाशों ने स्कूटी में दारोगा के पीछे बैठी उनकी बेटी से रुपयों से भरा बैग छीन लिया था। बैंक में मिले सीसी फुटेज के जरिए पुलिस लुटेरों तक पहुंची।

कुंडी से लटकता मिला शव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहजनवा। गीडा थाना क्षेत्र के नौसढ़ में एक युवक का शव घर के अंदर कुंडी से लटकता मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नौसढ़ निवासी रामगति निषाद मंडी में मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करते हैं। तीन पुत्रों और दो पुत्रियों में सबसे छोटा पुत्र 18 वर्षीय शिवम निषाद आटो चलाता था। किसी बात को लेकर परिवार में कहासुनी चल रही थी। गुरुवार की देर रात शिवम कमरे में जाकर अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। घर वालों ने दरवाजा खुलवाने की कोशिश की लेकिन खुला नहीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दीवार के कुछ हिस्से को गिरा कर अंदर गई तो शिवम का शरीर कुंडी के सहारे लटक रहा था। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक गीडा राहुल सिंह ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। युवक के आत्महत्या की बात सामने आ रही है।

चौंकाने वाला होगा राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी का नाम!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव आयोग ने राष्ट्रपति चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। 18 को चुनाव कराए जाएंगे और 21 जुलाई को नतीजे आएंगे। बड़ा सवाल ये है कि क्या इस बार राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के चयन में मोदी-शाह की चलेगी या संघ की पसंद को तवज्जो दी जाएगी या विपक्षी दलों की पसंद का भी ख्याल रखा जाएगा? इस मुद्दे पर राजनीतिक विश्लेषक अशोक वानखेड़े, वरिष्ठ पत्रकार अरविंद सिंह, राजेश बादल, उमाकांत लखेड़ा और अभिषेक कुमार ने एक लंबी परिचर्चा की।

4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

राजेश बादल ने कहा, आने वाले पांच वर्षों में भारत की दशा और दिशा क्या हो सकती है ये तो वक्त बताएगा। इस वक्त एनडीए सरकार यानी बीजेपी सरकार है। सत्ता पक्ष में होने वाली सरकार चाहती है राष्ट्रपति जो भी हो, उसकी नीतियों में अडंगा न लगाएं। ऐसा भी नहीं कि राष्ट्रपति रबर स्टैंप की तरह काम करें।

अशोक वानखेड़े ने कहा अब्दुल कलाम के पास भी आंकड़ा नहीं था वे सर्वसम्मति से बने न। इस बार एनडीए के पास आंकड़ा है। राष्ट्रपति बनाना मतलब राजनीति से दूर हट जाना। प्रणव जब राष्ट्रपति बने तो वो ज्यादा खुश नहीं थे। मुखर्जी की जो नाराजगी थी कांग्रेस के प्रति, उसका पूरा फायदा नरेंद्र मोदी को मिला। अब राष्ट्रपति कौन बनेगा ये तो आने वाला समय बताएगा।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अरविंद कुमार ने कहा कि अगर आनंदीबेन पटेल इस चुनाव में आती है तो एक ही प्रांत के क्या दो व्यक्ति हो सकते है, ऐसा शायद नहीं होगा। गुजरात चुनाव मोदी के एजेंडे में है। ऐसे में हो सकता है ओबीसी प्रेसीडेंट हो। उपराष्ट्रपति का कार्यकाल भी 11 अगस्त को खत्म होगा। इस चुनाव में चौंकाने वाला नाम आ सकता है। फिलहाल मोदी के पास ट्रंप कार्ड है, वहीं इस पर मुहर लगाएंगे।

उमाकांत लखेड़ा ने कहा मुझे लगता है कि जो भी कैंडीडेट होगा सरप्राइजिंग होगा, वह कांग्रेस की पृष्ठभूमि का हो सकता है। जी23 में से कोई हो। नुपुर वाले मामले में जो किरकिरी हुई तो हो सकता है ऐसा भी कोई नाम हो, जिससे बेहतर संदेश जाए। राजनीति में कुछ भी हो सकता है। हां मोदी को उस मुकाम तक जाना है तो उनकी मर्जी ही चलेगी फिलहाल। अगले दस साल का रोडमैप भी तैयार करना है क्योंकि पार्टी में अभी सेकेंड लीडरशिप चुनौती है।

मुरादाबाद में प्रभारी मंत्री जितिन प्रसाद के सामने ही भिड़े विधायक और बीजेपी नेता

» मारपीट होते देख बैठक छोड़कर चले गए मंत्रीजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुरादाबाद में कल शाम सर्किट हाउस में उत्तर प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद समीक्षा बैठक कर रहे थे। इसी दौरान उनकी मौजूदगी में ही कुछ हमलावरों ने भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनमोहन सैनी की लात घूसों से पिटाई कर दी। भाजपा नेता पर इस हमले से कुछ देर पहले ही सर्किट हाउस में मंत्री जितिन प्रसाद के सामने ही मनमोहन सैनी और नगर विधायक रितेश कुमार गुप्ता के बीच कहासुनी हो गई थी।

उस समय तो दोनों के बीच लोगों ने बीच बचाव करा दिया था, लेकिन उसके बाद भाजपा नेता के बाहर निकलते ही 12 से 13 अज्ञात लोगों ने घेर कर पिटाई कर दी। बता दें कि योगी सरकार के पीडब्ल्यूडी विभाग के मंत्री जितिन प्रसाद देर शाम मुरादाबाद पहुंचे थे। रात में उन्होंने सर्किट हाउस में मुरादाबाद के भाजपा के सभी जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक बुलाई थी। समीक्षा बैठक के दौरान जितिन प्रसाद सभी से उनके क्षेत्रों की समस्याएं पूछ रहे थे। इसी दौरान बैठक में मौजूद भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनमोहन सैनी ने लाइनपार इलाके में विकास ना होने का मुद्दा उठाया। मनमोहन ने कहा कि विधायक अपनी पार्टी का होते हुए भी प्रकाश नगर चौराहा और लाइनपार एरिया में विकास नहीं हो पा रहा है। इतना सुनते ही बैठक में जितिन प्रसाद के ठीक बगल में बैठे शहर भाजपा विधायक रितेश कुमार गुप्ता का पारा हाई हो गया और दोनों में लड़ाई हो गयी। बैठक में मौजूद लोगों का कहना है कि विधायक ने गुस्से में कहा कि तेरी इतनी औकात है कि तू मेरे बारे में बोलेगा, तूने मेरा नाम लिया कैसे? विधायक रितेश कुमार और मनमोहन के बीच जब गर्मा गर्मी शुरू हुई तो इस दौरान मंत्री जितिन प्रसाद अपनी कुर्सी पर खामोश बैठे रहे। शुरू में उन्होंने दोनों से शांत रहने को कहा लेकिन जब मंत्रीजी की बात अनसुनी कर दी गई तो वह बैठक छोड़कर चले गए।

जनप्रतिनिधियों का फोन अधिकारी जरूर उठाएं : दुर्गा शंकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जनप्रतिनिधियों के प्रति अधिकारियों की बेरुखी की शिकायतों को अब शासन स्तर पर गंभीरता से लिया गया है। इसका संकेत मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र के निर्देश से मिलता है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि जनप्रतिनिधियों का फोन सभी अधिकारी जरूर उठाएं। साथ ही महीने में एक बार उनके साथ बैठक भी करें।

मुख्य सचिव ने प्रदेशभर के जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग की। विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए तमाम निर्देश दिए। इनमें सबसे महत्वपूर्ण यह कि उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी, जनप्रतिनिधियों का फोन उठाएं। उनके साथ महीने में एक बैठक अवश्य करें। जनप्रतिनिधियों के जन समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करें। जनता दर्शन, समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली पोर्टल, सीएम हेल्पलाइन पर आ रही समस्याओं के निराकरण के तेजी से प्रयास हों।

स्वतंत्रता संग्राम में बिरसा मुंडा का अहम योगदान : सनोबर

» महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में कार्यक्रम, प्रबुद्धों ने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बिरसा मुंडा को किया याद

» डॉ. सनोबर हैदर ने बिरसा मुंडा के जीवन और कृतित्व पर डाला प्रकाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाने वाले महान मुंडा नेता बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर नौ जून को महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय के ईबीएसबी क्लब द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर इतिहास विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सनोबर हैदर ने बिरसा मुंडा के जीवन के बारे में विस्तार से बताया।

डॉ. सनोबर हैदर ने कहा कि बिरसा मुंडा भारत में ब्रिटिश सरकार के द्वारा किये जाने वाले अत्याचार के विरोध में खड़े हुये। बिरसा मुंडा ने आदिवासी समुदाय का नेतृत्व करते हुए छोटा नागपुर पठार क्षेत्र के आदिवासी हितों पर खतरा पैदा होने पर दमनदारी भूमि कानूनों, जमींदारी व्यवस्था और ईसाई मिशनरियों के खिलाफ लड़ते हुए भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपना अहम योगदान दिया। उन्होने अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान आंदोलन को संगठित किया एवं अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ कई मोर्चे बनाकर लड़ाइयां भी लड़ी। उन्होंने कहा कि महान नेता बिरसा मुंडा को अंग्रेजों ने गिरफ्तार कर रांची जेल में कैद कर दिया जहां पर उन्होंने नौ जून को 25 साल की आयु में अंतिम सांस ली। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान के कारण उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो चुका है। इससे पहले डॉ. राघवेन्द्र मिश्रा ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों को कार्यक्रम के विषय एवं वक्ताओं पर परिचय कराया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. उषा यादव ने अपने स्नेहपूर्ण शब्दों से किया।

नहीं रहे आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक बाबा योगेंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक व संस्कार भारती के संरक्षक पद्मश्री बाबा योगेंद्र 99 वर्ष की आयु में आज सुबह आठ बजे देवलोक गमन कर गए। 7 जनवरी, 1924 को बस्ती जिले में जन्मे बाबा योगेंद्र पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे तथा उनका लखनऊ स्थित राम मनोहर लोहिया अस्पताल में उपचार चल रहा था।

बाबा योगेंद्र कला तथा साहित्य के क्षेत्र में काम करने वाली अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती के संस्थापक थे तथा अनेक वर्षों तक राष्ट्रीय संगठन मंत्री रहे। कला क्षेत्र में आपके योगदान को देखते हुए वर्ष 2018 में भारत सरकार ने पद्म श्री सम्मान से अलंकृत किया था। इसके अतिरिक्त भाऊराव देवरस सेवा सम्मान तथा अहिल्या बाई होलकर राष्ट्रीय पुरस्कार तथा अनेक पुरस्कारों से भी सम्मानित हुए थे। बाबा योगेंद्र गोरखपुर, प्रयाग, बरेली, बदायूं और सीतापुर में प्रचारक रहे।

वरिष्ठ पत्रकार विश्वदीप घोष का हार्ट अटैक से निधन

लखनऊ। वरिष्ठ पत्रकार विश्वदीप घोष का हार्ट अटैक से मेदांता लखनऊ में निधन हो गया है। उन्हें प्यार से लोग 'दादा' कह कर पुकारते रहे हैं। घोष क्राइम रिपोर्टिंग के बेताज बादशाह थे। टाइम्स ऑफ इंडिया, द पायनियर और हिन्दुस्तान टाइम्स में करीब तीन दशक से अधिक अर्से तक उन्होंने पत्रकारिता की शानदार पारी खेली। घोष के निधन पर राजधानी सहित यूपीभर के पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया है।

पौधारोपण

फोटो: सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आयकर विभाग लखनऊ भी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इसी कड़ी में आज वृक्षारोपण कार्यक्रम हुआ। आयकर अधिकारी विमलेश राय ने बताया कि हरित भारत अभियान के तहत महाराजा बिजली पासी किला स्थित श्री काशीराम सांस्कृतिक स्थल पर पौधारोपण हुआ, जिसमें विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए गए। मुख्य अतिथि हरिन्दर बीर सिंह गिल प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त ने भी वृक्षारोपण किया। बता दें कि आयकर विभाग द्वारा अमृत महोत्सव कार्यक्रम छह जून से शुरू हुआ था, इसका समापन 11 जून को होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।